दो दिवसीय राजभाषा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

विषयः 'संसदीय राजभाषा समिति की निरीक्षण प्रश्नावली' एवं 'कंठस्थ-02 अनुवाद टूल'

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के सौजन्य से परिषद के अंतर्गत विभिन्न संस्थानों और अनुसंधान केंद्रों में कार्यरत राजभाषा अधिकारियों और कर्मचारियों को संसदीय राजभाषा समिति की निरीक्षण प्रश्नावली तथा कंठस्थ अनुवाद टूल पर व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के लिए दिनांक 21-22 मार्च 2024 को वन विज्ञान भवन, नई दिल्ली में दो दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के निदेशक (राजभाषा) श्रीमती उर्मिला हरित की गरिमामयी उपस्थिति रहीं । सर्वप्रथम दीप प्रज्ज्वलन के उपरांत डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग) ने आमंत्रित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यशाला का उद्देश्य निरीक्षण प्रश्नावली को सही ढंग से भरने और कंठस्थ अनुवाद टूल के माध्यम से मशीन अनुवाद को प्रभावी ढंग से उपयोग करने से सम्बंधित संदेह को दूर कर प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान करना था। इस अवसर पर परिषद की वार्षिक गृह पत्रिका तरुचिंतन 2023 का विमोचन भी किया गया। मुख्य अतिथि श्रीमती उर्मिला हरित ने अपने संबोधन में कहा कि राजभाषा में कार्य करना हमारा संवैधानिक उत्तरदायित्व है। उन्होंने संसदीय राजभाषा समिति को प्रस्तुत की जाने वाली निरीक्षण प्रश्नावली को सही ढंग से भरने पर जोर दिया। डॉ. गीता जोशी ने राजभाषा के प्रति परिषद की प्रतिबद्धताओं को दोहराया और आशा की कि सभी अपने स्तर पर राजभाषा के अनुपालन में अपना शत प्रतिशत योगदान देना जारी रखेंगे। कार्यशाला के प्रथम सत्र में डॉ. ओमप्रकाश, सहायक आचार्य, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने कंठस्थ अनुवाद टूल पर प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कंठस्थ के अतिरिक्त "भाषिणी", "अनुवादिनी" जैसे आधुनिक अनुवाद टूल के बारे में भी प्रतिभागियों को जागरूक किया। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार) ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कार्यशाला में यथोचित प्रतिभागिता के लिए सभी को धन्यवाद ज्ञापन किया।

कार्यशाला के दूसरे दिन अर्थात 22 मार्च को श्रीमती कंचन देवी, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. महोदया ने अपने संबोधन में सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान सिखाएँ गए जानकरियों को आपने अपने संस्थान और केंद्र में सभी को संप्रेषित करने को कहा। विषय विशेषज्ञ श्री महिमानंद भट्ट, प्रबंधक राजभाषा (सेवानिवृत्त), केंद्रीय भंडारण निगम ने कार्यशाला में संसदीय राजभाषा समिति को प्रस्तुत की जाने वाली "निरीक्षण प्रश्नावली" पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। श्री भट्ट ने निरीक्षण प्रश्नावली की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों को इसे सही तरीके से भरने के बारे में बिंदुवार जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि किसी भी कार्यालय द्वारा हिंदी में किए जा रहे कार्यों और उपलब्धियों को प्रकाश में लाने हेतु निरीक्षण प्रश्नावली एक मुख्य दस्तावेज है। किसी भी कार्यालय की हिंदी के प्रगामी प्रयोग की स्थिति जानने हेतु संसदीय राजभाषा समिति के समक्ष यही निरीक्षण प्रश्नावली प्रस्तुत की जाती है। इसलिए इसे ध्यानपूर्वक भरा जाना अत्यंत ही आवश्यक है। समापन सत्र में डॉ. गीता जोशी और श्री महिमानन्द भट्ट ने सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। प्रतिभागियों ने कार्यशाला को अत्यंत सार्थक बताया और भविष्य में भी इसी तरह कार्यशाला आयोजित करने के लिए अनुरोध किया । अंत में श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए सभी को धन्यवाद ज्ञापन किया।

कार्यशाला की कुछ झलकियाँ

राजभाषा हिंदी प्रशिक्षण कार्यशाला

राजभाषा हिंदी प्रशिक्षण कार्यशाला

राजभाषा हिंदी प्रशिक्षण कार्यशाला

राजभाषा हिंदी प्रशिक्षण कार्यशाला
विषय- 'संसदीय राजभाषा समिति की निरीक्षण प्रश्नावली'
एवं
'कॉलम-02' अनुवाद टूल
दिनांक: 21-22 मार्च, 2024
स्थल- वन विज्ञान भवन, नई दिल्ली
आयोजक:
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून
(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार)

राजभाषा हिंदी प्रशिक्षण कार्यशाला

राजभाषा हिंदी प्रशिक्षण कार्यशाला

राजभाषा हिंदी प्रशिक्षण कार्यशाला

राजभाषा हिंदी प्रशिक्षण कार्यशाला